दानिय्येल 4

Published by the Comic Bible Society, LLC
Copyright © 2021

Kingstone Comics maintains copyright to this comic book as provided by United States copyright law.

Print and digital copies of this version may be freely distributed without penalty under a Creative Commons license.

राजा बेलशस्सर के राज्य के प्रथम वरष में, बेबीलोन में अपने नरि्वासन के दौरान, परमेश्वर ने दानयि्येल को स्वप्न और दर्शन दिए।
“मैंने महासागर के ऊपर एक बहुत बड़ा तूफान देखा और चार जानवर पानी में से बाहर नकिलकर आए।”
“पहला एक शेर के समान था जसिके उकाब जैसे बड़े पंख थे।”
“दूसरा एक भालू के समान था। उसके दाँतों के बीच में तीन पसलयिाँ थीं। उससे कहा गया था...।”
उठ जा! बहुत से लोगों को खा ले!
“तीसरा जानवर एक चीते के समान था उसके चार पंख और चार सरि थे।”
“और उसे सारी मनुष्य जातपिर राज्य करने का अधकिार दयिा गया था।”
दानयि्येल 7:1-6

"एक चौथा जानवर जो महासागर में से निकलकर आया था - वह वर्णन से भी बहुत भयंकर था।"
"वह अपने शिकार को लोहे के बड़े दाँतों के द्वारा खा जाता था और बचे हुए को अपने पैरों के नीचे रौंद देता था।"
"वह औरों से बहुत भयानक और निंदा करनेवाला था - और उसके दस सींग थे।"
"एक छोटा सींग निकला और अन्य तीनों को उखाड़कर फेंक दिया।"
"उस सींग में एक मनुष्य के समान आँखें थीं और वह डींगें मारता था।"
"एक अति प्राचीन अपने सिहासन पर विराजमान हुआ - लाखों लाख लोग उसके सामने खड़े थे।"
"एक मनुष्य के पुत्र के समान, उस अति प्राचीन के समीप आया और उसे सभी लोगों और राष्ट्रों पर पराक्रम, महिमा और अधिकार दिया गया।"
"उसके राज्य का कभी भी अंत नहीं होगा।"

दानिय्येल वहाँ खड़े हुओं में से एक के पास पहुँचा...
इस दर्शन का क्या अर्थ है?
ये चार जानवर चार राजाओं को दर्शाते हैं [1] जो एक दिन पृथ्वी पर राज्य करेंगे।
लेकिन उस सर्वशक्तिमान के पवित्र लोग राज्य प्राप्त करेंगे - हाँ, हमेशा और हमेशा के लिए।
[1] बेबीलोन - पंख वाले शेरों ने राजमहल के द्वारों को सुरक्षित करके रखा था। भालू मादै-फारस को प्रदर्शित करता है। चीता यूनान को प्रदर्शित करता है - सिकंदर महान को बहुत तेजी से जीतने के लिए जाना जाता था चार सिर चार सेनापति हैं जिन्होंने उसकी मृत्यु के बाद उसके राज्य को बाँट लिया था।
वह चौथा जानवर [2] चौथी विश्व-शक्ति है - वह और राज्यों से बहुत अधिक भयंकर होगा।
वह पूरी दुनिया को खा जाएगा - इससे पहले कि सब कुछ ख़त्म हो जाए।
[2] लोहे के दाँतों वाला जानवर रोम साम्राज्य को प्रदर्शित करता है।
उसके दस सींग दस राजा हैं जो उसके राज्य में से निकलेंगे।
तब एक और, बहुत ज़्यादा क्रूर राजा उठेगा [3] और उन तीनों को नष्ट कर देगा - परमेश्वर का विरोध करेगा और उसके पवित्र लोगों को सताएगा।
साढ़े तीन साल तक परमेश्वर के लोग उसके अधिकार में रहेंगे।
[3] मसीह-विरोधी जो बचे हुए रोम साम्राज्य में से आएगा।
“लेकिन तब अति प्राचीन अपने न्याय की अदालत स्थापित करेगा। वह उस दुष्ट राजा से सारा राज्य ले लेगा और उसे नष्ट कर देगा।”

"दो साल के बाद मैंने एक और दर्शन देखा - दो सींगों के साथ एक मेढ़ा, एक सींग दूसरे की तुलना में ज़्यादा बढ़ा हुआ था।" [1]
"उस मेढ़े ने जैसा चाहा वैसा किया और बहुत महान बन गया।"
[1] मादै-फारस, फारस के साथ बड़ा aऔर महान हो गया।
"जब मैं इस विषय पर विचार कर रहा था, एक बकरा, एक विशिष सींग के साथ, पश्चिम से बहुत तेजी के साथ आया हालाँकि उसने पृथ्वी को छुआ भी नहीं।" [2]
"उसने मेढ़े पर हमला कर दिया और उसके दोनों सींगों को तोड़ डाला।
[2] सिकंदर की सेनाओं की तेजी और ताकत।
"जब वह अपनी सत्ता की ऊँचाई पर था, तब उसका बड़ा सींग टूट गया था, और उसके स्थान पर चार सींग उग आए - एक बहुत शक्तशाली बन गया और इस्राएल के विरुद्ध युद्ध किया।"
"यहाँ तक कि उसने स्वर्गीय सेना के अध्यक्ष को प्रतिदिन चढ़ाए जानेवाले बलिदानों को बंद करवाकर और मंदिर को अपवित्र करके चुनौती दी।" [3]
[3] इसकी परिपूर्ति एंटिओकस एपिफिनुस के समयों में हुई थी जिसने यरूशलेम में प्रतिदिन के बलिदानों को बंद कर दिया था। उसने मंदिर में एक सुअर का बलिदान किया और वहाँ पर एक ज्यूस की मूर्ति स्थापित की।
तब मैंने दो पवित्र स्वर्गदूतों को आपस में बातें करते सुना।
प्रतिदिन के बलिदान को फिर से शुरू होने में कितना समय लग जाएगा?
मंदिर के विनाश का बदला लिए जाने में और परमेश्वर के लोगों के विजय महोत्सव में कितना समय लगेगा?
पहले दूत ने कहा तेईस सौ दिनों तक चलता रहेगा।

जैसे ही मैं उस दर्शन को समझने की कोशशि कर रहा था, अचानक एक आदमी - या कम से कम वह एक मनुष्य की तरह दखि रहा था - जो मेरे सामने खड़ा था और मैंने एक मनुष्य की आवाज सुनी।
गब्रएिल, दानयि्येल को उसके स्वप्न का अर्थ बता दे।
मैं घबरा गया और मुँह के बल गरि गया।
मैं बेहोश पड़ा था लेकनि उसने मुझे छूकर उठाया।
यह दर्शन क्रोध के समयों से सम्बंधति, अंत के दनिों के वषिय में है।
तेरे द्वारा देखे गए मेढ़े के दो सींग राजा मादै और फारस हैं।
बकरे के सींग के स्थान पर आने वाले चार छोटे सींगों का अर्थ यह है कि यूनान चार राजाओं के साथ चार भागों में बट जाएगा, लेकनि उनमें से कोई भी पहले वाले की तरह महान नहीं होगा। [1]
तेरा समझना जरुरी है कि जो घटनाएँ तूने अपने दर्शन में देखी हैं वो तब तक पूरी नहीं होंगी जब तक कि अंत के दनि न आ जाएँ।
[1] सकिंदर महान। उसकी मृत्यु के बाद उसके चार सेनापति यूनानी साम्राज्य के चार भागों के उपर चार राजा बन गए।
दानयि्येल 8:15-22

“उनके राज्यों के अंतिम समयों में, एक क्रोधित राजा बड़ी चतुराई और बुद्धिमानी के साथ राज्य करने के लिए उठेगा।”
“उसकी शक्ति उसकी अपनी नही बल्कि शैतानी ताकत होगी।” [1]
[1] भविष्यवाणी का लगभग पूरा होना एंटिओकस एपफिनुस था जो एक तरह से मसीह-विरोधी था। इसकी सुदूर पूर्ति मसीह-विरोधी है। (प्रकाशितवाक्य 13:1-10)
“वह धोखा देने में अवल होगा, बहुतों को जो झूठी सुरक्षा में अचेत पड़े हैं, उन्हें हरा देगा। वह उन्हें नष्ट कर देगा।”
इसलिए वह खुद में बहुत कल्पनाएँ करेगा कि वह राजकुमारों के राजकुमार से युद्ध करेगा - भले ही कोई भी मनुष्य उस पर प्रबल न हो, परन्तु वह परमेश्वर के हाथ से तोड़ा जाएगा।” [2]
[2] एंटिओकस पागलपन और आँतों की बीमारी से मर गया। मसीह-विरोधी और उसकी सेनाएँ हरमगिदोन के युद्ध में पराजित हो जाएँगी। (प्रकाशितवाक्य 19:11-21)
“और उसके बाद तूने दर्शन में आराधना शुरू होने से पहले के तेईस सौ दिनों के बीतने के बारे में सुना।” [3]
[3] यह वास्तविकता में उसकी परिपूर्णता में था। एंटिओकस एपफिनुस के द्वारा उत्पीड़न 6 सितंबर, 171 ई.पू. से 25 दिसंबर 165 ई.पू. तक था। यहूदियों ने यहूदा मैकबेबस के नेतृत्व में मंदिर की सफाई के बाद रोशनी का पर्व (हनुक्का) मनाया।
“मैं दर्शन से भयभीत हो गया था और कई दिनों तक बीमार पड़ गया था।”
“उसके बाद मैंने राजा के प्रति अपने कर्तव्यों का पालन किया, लेकिन मैं स्वप्न के कारण बहुत परेशान था और उसे समझ नहीं पाया था।”

"राजा दारा के प्रथम वर्ष में मैंने यर्मियाह भविष्यद्वक्ता की पुस्तक से सीखा [1] कि यरूशलेम सत्तर साल तक उजाड़ पड़ा रहेगा।"
"इसलिए मैंने अपने दासत्व को ख़त्म करने और हमें अपने देश में वापस भेजने के लिए प्रभु परमेश्वर से विनती की।"
[1] यर्मियाह 25:11-12, 29:10
"मैंने उपवास रखा और प्रार्थना की...."
हे प्रभु, तू महान और आदर के योग्य है; तू हमेशा उन लोगों पर अपनी दया के वायदों को पूरा करता है जो तुझसे प्रेम रखते हैं और तेरी व्यवस्था का पालन करते हैं।
हमने तेरे विरुद्ध बहुत पाप किया और विद्रोह किया है - तेरे भविष्यद्वक्ताओं की बातें सुनने से मना कर दिया।
लेकिन हमारा परमेश्वर दयालु और क्षमा करनेवाला है यहाँ तक कि उन लोगों को भी क्षमा करता है जिन्होंने उसके विरुद्ध विद्रोह किया हो।
मूसा की व्यवस्था में लिखा गया हर श्राप हमारे विरुद्ध सच साबित हो गया है।
हालाँकि, हमने बहुत पाप किया है, कृपा करके अपनी कोमल दया के कारण यरूशलेम से अपने भीषण क्रोध को दूर कर।
हे प्रभु, क्षमा कर क्योंकि तेरे लोग और तेरा शहर तेरे ही नाम से जाने जाते हैं।

"जब मैं प्रार्थना कर रहा था, तभी गब्रिएल स्वर्गदूत शाम के बलदिान के समय तेजी से उड़ता हुआ मेरे पास आया।"
दानयि्येल, मैं यहाँ तुझे परमेश्वर की योजनाओं को समझने में मदद करने के लिए आया हूँ। जसि क्षण तूने प्रार्थना करना शुरू कयिा तभी एक आज्ञा दी गई।
सुन और उस दर्शन के अर्थ को समझने की कोशशि कर जसि तूने देखा था!
यरुशलेम और तेरे लोगों पर प्रभु ने दण्ड के और 490 साल की आज्ञा दी है।
तब सदा की धार्मकिता का राज्य शुरू होगा।
"यह 49 साल [1] और 434 साल जब यरूशलेम को फरि से बनाने की आज्ञा देने के समय से अभषिक्ति के आने तक होगा!" [2]
"यरूशलेम की सड़कों और दीवारों को खतरनाक समय होने पर भी फरि से बनाया जाएगा।"
[1] उनतालीस वर्ष (7 सप्ताह x 7) जब अर्तक्षत्र प्रथम ने 455 ई.पू. में यरूशलेम के पुनर्नर्माण का आदेश जारी कयिा था। इसमें नहेम्याह द्वारा दीवार के पुनर्नर्माण और मलाकी की सेवकाई के अंत और पुराने नयिम का समाप्त होना भी शामलि हैं।
[2] यीशु मसीह के प्रथम आगमन के चार सौ चौंतीस वर्ष (62 सप्ताह x 7) से मसीह के पहले आगमन - मसीह का वजियी प्रवेश। (मत्ती 21: 1-9)।

“इन 434 वर्षों के समय के बाद, उस अभिषिक्त को मार डाला जाएगा [1], उसका राज्य अभी भी अचेत है। और एक राजा उठेगा जिसकी सेनाए शहर और मंदिर को नष्ट कर देंगी।” [2]
[1] यीशु मसीह का क्रूस पर चढ़ाया जाना।
[2] 70 ईस्वी में तीतुस ने यरूशलेम में मंदिर को नष्ट कर दिया और दस लाख यहूदियों की हत्या करवा दी, यह भविष्यवाणी आंशिक पूर्ति थी।
“अंत एक सैलाब की तरह आएगा: युद्ध अंत तक जारी रहेगा।”
“वह राजा लोगों के साथ सात साल के लिए एक वाचा बांधेगा, लेकिन आधे समय के बाद, वह अपनी वाचा को तोड़ देगा और यहूदी बलिदानों को बंद कर देगा - और पूरी तरह से परमेश्वर के पवित्र-स्थान को अपवित्र कर देगा।” [3]
[3] मसीह-विरोधी इस भविष्यवाणी की सुदूर परिपूर्णता है। वह यहूदी लोगों के साथ अपनी वाचा को तोड़ देगा और खुद की पूजा की जाने वाली प्रतिमा को स्थापित करके मंदिर को अपवित्र कर देगा। (प्रकाशितवाक्य 13:14-18)
दानिय्येल 9:24-27
लेकिन परमेश्वर के समय और योजना के द्वारा, उसका न्याय उस दुष्ट पर डाला जाएगा।” [4]
[4] यीशु मसीह के दूसरे आगमन पर, मसीहा उस मसीह-विरोधी और उसकी सेनाओं को नष्ट कर देगा। (प्रकाशितवाक्य 19:11-21)

कुसूर के शासनकाल के तीसरे वरष में, दानयि्येल ने महाक्लेश के वषिय में एक और दर्शन देखा।
"मैं बनिा दाखरस और मांस के, तीन सप्ताह तक शोक में था, और मैं न तो नहाया और न ही बालों का मुंडन कयिा।"
"हद्दिकेल नदी के तट पर, मैंने देखा क िएक व्यक्त िसन के कपड़े पहने खड़ा था, जसिकी कमर के चारों ओर सोने का कमरबन्द था। उसका चेहरा चकाचौंध कर देनेवाली बजिली की तरह चमकता था। उसकी आवाज़ लोगों की वशिाल भीड़ की दहाड़ की तरह थी।" [1]
[1] यीशु मसीह एक पूर्व-अवतरति उपस्थति
"मैंने अकेले ही उस महान दर्शन को देखा, लेकनि मेरे साथ के लोग भय के कारण घबरा गए और छपि गए।"
"मेरा बल मुझमें से जाता रहा, और मैं क्षीण और कमजोर हो गया।"
"फरि उसने मुझसे बात की, और मैं एक गहरी नींद में पड़ा रहा।"
अहहननन....
"लेकनि एक हाथ ने मुझे उठा लयिा, अभी भी मेरे हाँथ और घुटने काँप रहे थे।"
दानयि्येल, तू जो अतप्रियि है, ध्यान से उन वचनों को समझ ले जो मैं बोलने वाला हूँ।

दानिय्येल, भयभीत मत हो। पहले दिन ही जब तूने समझ के लिए प्रार्थना की, तेरी विनती को सुना गया और उत्तर दिया गया।
हालाँकि 21 दिनों तक, फारस के राजकुमार ने मेरा रास्ता रोक दिया था। तब मीकाएल, जो हाकिमों का मुखिया है, मेरी मदद करने के लिए आया था।
मैं यहाँ तुझको यह बताने के लिए आया हूँ कि अंत में तेरे लोगों का क्या होगा - जबकि पूर्ति कई साल दूर हैं।
मैं प्रभावित हूँ, मैं बात कैसे करूं ... मेरा बल चला गया है - और मैं बड़ी मुश्किल से सांस ले रहा हूँ।
तब उसने मुझे फिर से छुआ - और मुझे महसूस हुआ कि मेरी ताकत लौट रही है।
तू अति प्रिय है, भयभीत मत हो!
मैं यहाँ तुझे “भविष्य की पुस्तक” में क्या लिखा गया है, यह बताने के लिए आया हूँ।
जब मैं यहाँ से जाऊँगा, तो फारस के हाकिम - और फिर यूनान के हाकिम से लड़ता हुआ आगे निकल जाऊँगा।
सिर्फ मीकाएल, स्वर्गदूत जो तेरे इस्राएल के लोगों की रक्षा करता है, मेरी मदद करने के लिए वहाँ होगा।

"मुझे दारा मादी के शासनकाल के प्रथम वर्ष में उसको हियाव देने और मदद करने के लिए भेजा गया था - और अब मैं तुझे दिखाऊँगा कि भविष्य में क्या होगा।"
"तीन और फारसी राजा राज्य करेंगे, एक चौथा सफल होकर यूनान के विरुद्ध पूर्ण रूप से युद्ध के लिए योजना बनाएगा।" [1]
[1] संभवतः क्षयर्ष (486–465 ई.पू.) जिसने यूनान के विरुद्ध पूर्ण स्तर पर हमला आरम्भ किया था।
"उसके बाद यूनान में एक शक्तशिाली राजा उठेगा, जो विशाल राज्य पर शासन करेगा और वह जो कुछ करने के लिए ठानेगा उसे पूरा करेगा - लेकिन उसका राज्य चार कमजोर राष्ट्रों में बंट जाएगा।" [2]
[2] सिकंदर महान का राज्य उसके चार सेनापतियों के बीच में बंट गया था।
"बहुत वर्षों के बाद एक गठबंधन बनेगा जब मिस्र के राजा की बेटी सीरिया के राजा से शादी करेगी।" [3]
[3] 252 ई.पू. में मिस्र के टॉलेमी II ने अपनी बेटी बिर्नीस को अपनी दो भूमियों के बीच एक शांति समझौते को स्थापित करने के लिए सीरिया के एन्टियोकस II से शादी करवा दी।
"लेकिन जब उसका भाई मिस्र का राजा बनेगा, तो वह सीरिया के राजा के विरुद्ध एक सेना खड़ी करेगा और उसे हरा देगा।" [4]
[4] बिर्नीस के भाई टॉलेमी III एवरऐटीज़ (242-222 ई.पू.) ने सीरिया पर विजय पाई।

“सीरयिा का राजा मसि्र पर कुछ ही समयों में आक्रमण करेगा, लेकनि जल्द ही अपने देश में लौट जाएगा।” [1]
[1] सीरयिाई राजा सेल्यूकस II।
“तब मसि्र का राजा, बड़े क्रोध में, सीरयिा की वशिाल सेना के वरिुद्ध भीड़ इकट्ठी करेगा और उन्हें हरा देगा।” [2]
[2] टॉलमी IV फलिोपटर (223-203 ई.पू.) ने एंटऑिकस III महान की सेना को तहस-नहस कर दयिा।
“कुछ वर्षों बाद सीरयिाई राजा एक बड़ी सेना के साथ वापस आएगा, और अन्य राष्ट्र उसके साथ मसि्र के वरिुद्ध धर्मयुद्ध में शामलि होंगे।”
“और वह खूबसूरत राष्ट्र (इस्राएल) में भी प्रवेश करेगा और उसे लूट लेगा।” [3]
[3] तेरह साल बाद एंटऑिकस III एक वशिाल सेना के साथ वापस आया और मसि्र को हराया।
“यह सम्पूरण मसि्र को जीतने के लएि उसकी साजशि होगी - वह अपनी बेटी की शादी मसि्र के राजा से करा देगा, ताकि वह उसके लएि भीतरी रूप से काम कर सके।”
“लेकनि योजना असफल होगी।” [4]
[4] रोम से दबाव महसूस कर रहे एंटऑिकस ने अपनी बेटी क्लयिोपेट्रा की टॉलमी V से शादी करने का प्रस्ताव दयिा, यह उम्मीद करते हुए कि वह मसि्र को जीतने में उसकी मदद करेगी। लेकनि इसके बदले में उसने अपने मसि्री पत कि पक्ष लयिा।

"इसके बाद वह तटवर्ती शहरों की ओर अपना ध्यान केंद्रित करेगा और बहुतों पर विजय प्राप्त करेगा, लेकिन एक सेनापति उसे रोक देगा और उसे शर्म से पीछे हटने का कारण बना देगा।" [1]
[1] सेनापति लुसियस स्किपियो एशियाटिकस ने एंटिओकस III को हराया और घर जाते समय वह मार दिया गया था।
"उसका उत्तराधिकारी एक कर वसूलनेवाले को इस्राएल में भेजेगा, लेकिन कुछ वर्षों के बाद वह रहस्यमय तरीके से मर जाएगा - हालांकि न तो युद्ध में और न ही दंगे में।" [2]
[2] सेल्यूकस IV फिलोपेटर को रोम को शुल्क देने के लिए अपने क्षेत्र में अपने नागरिकों पर ज़्यादा कर लगाना पड़ता था, लेकिन उसे मार दिया गया था, शायद ज़हर देकर।
"सत्ता में आनेवाला अगला एक दुष्ट सिपाही होगा जो चापलूसी और साज़िश से राज्य को अपने कब्ज़े में ले लेगा।"
"वह शक्तिशाली किलों को अधिकार में ले लेगा, लेकिन यह कुछ ही समय तक चलेगा।" [3]
[3] एंटिओकस एपिफेन्स IV.
"उत्तर और दक्षिण के राजा विचार-विमर्श करने की मेज पर एक दूसरे के खिलाफ साजिश रचेंगे, एक दूसरे को धोखा देने की कोशिश करेंगे।" [4]
"लेकिन इससे कोई फर्क नहीं पड़ेगा, क्योंकि परमेश्वर के नियुक्त समय से पहले किसी भी प्रकार की सफलता नहीं मिल सकती है।"
[4] मिस्र के टॉलमी और एन्टियोकस दोनों ने विचार-विमर्श करने की मेज पर झूठ बोला और फिर बाद में मिस्र के दो शासकों ने एक साथ मिलकर एन्टियोकस की योजनाओं को विफल किया।

"पूर्व निर्धारित समय पर, वह एक बार फिर दक्षिण की ओर मुड़ेगा, लेकिन पश्चिमी तट के जहाज उसे वापस लौटने और स्वदेश लौटने का कारण बनेंगे।" [1]
[1] साइप्रस से रोम का एक जहाजी बेड़ा मिस्र की तरफ चला गया और एन्टियोकस ने अपना गुस्सा यरूशलेम पर निकाला।
"पीछे हटने से नाराज, उत्तर का राजा यरुशलेम को नष्ट कर देगा और पवित्र-स्थान को अपवित्र करेगा।" [2]
[2] एन्टियोकस ने मंदिर पर हमला करके अपवित्र किया और बलिदान-संबंधी रीति को बंद करा दिया, 80,000 लोगों का कत्लेआम किया, 40,000 को बंधुआ बना लिया और 40,000 को दासों के रूप में बेच दिया।
"वह राज्य में अधर्मी यहूदियों को छोड़ देगा - जिन मनुष्यों ने अपने पूर्वजों के विश्वास को त्याग दिया है। लेकिन जो लोग अपने परमेश्वर को जानते हैं वे दृढ़ होंगे और बड़े-बड़े काम करेंगे।" [3]
[3] एन्टियोकस द्वारा समझौता करनेवाले यहूदियों को लुभाया गया था, लेकिन यहूदा मैकेबेस के अंतर्गत परमेश्वर के प्रति विश्वासयोग्य यहूदियों को बड़ी सफलता मिली।
अब समय सीमा भविष्य की पूर्ति की ओर बढ़ती है - अंत के समय और एक ऐसे राजा की ओर जो खुद की बड़ाई करता है।
"राजा ठीक वैसा ही करेगा जैसा ठाना होगा; हर एक देवता से बड़ा होने का दावा करते हुए, यहाँ तक कि ईश्वरों के परमेश्वर की निंदा करते हुए - जब तक कि उसका समय समाप्त नहीं हो जाता।"

"अंत के समय में, दक्षिण का राजा उस पर फिर से हमला करेगा और उसकी विशाल सेना और नौसेना को अपनी ताकत से ख़त्म करने के लिए फुर्ती से निकलेगा।"
"वह मार्ग में कई राष्ट्रों पर आक्रमण करेगा, जिनमें इस्राएल भी शामिल है, और बहुत से राष्ट्रों की सरकारों को उखाड़ फेंकेगा।"
"लेकिन पूर्व और उत्तर दिशा की खबरें उसे भयभीत कर देंगी, और वह बड़े क्रोध में सत्यानाश करने निकलेगा।"
"वह यरूशलेम और समुद्र के बीच में रुक जाएगा लेकिन जब वह वहाँ होगा तौभी उसका अंत अचानक आ जाएगा - और उसकी मदद करने वाला कोई नहीं होगा।"
"उस समय, शक्तिशाली स्वर्गदूतों का हाकिम मीकाएल जो तेरे लोगों की रक्षा करता है, वे शैतानी ताकतों के विरुद्ध स्वर्ग में लड़ेगा।"
"यहूदी लोगों के इतिहास में सबसे बड़ी पीड़ा होगी - फिर भी तेरे हर एक व्यक्ति जिसका नाम परमेश्वर की पुस्तक में लिखा गया है, वह टिका रहेगा।"
"और बहुत से लोग जिनके शरीर मृत हैं, जी उठेंगे - कुछ हमेशा की ज़िंदगी के लिए और कुछ हमेशा के लिए अपमानित होने के लिए।"
"जो बुद्धिमान हैं वे सूरज की तरह चमकेंगे, और जो लोग धार्मिकता की ओर मुड़ेंगे वे तारों की तरह चमकेंगे।"

“यह भवष्यिवाणी मुहरबंद है और अंतमि समय तक समझ में नहीं आएगी जबकि यात्रा और शक्षिा में भारी वृद्धि होगी!”
“तब मुझ, दानय्यिेल ने, दृष्टि की और देखा कि एक नदी के प्रत्येक कनिारे पर दो मनुष्य खड़े हैं, उनमें से एक नदी के ऊपर खड़ा था।”
सर्वशक्तमिान परमेश्वर के नाम से, जो सदा सर्वदा के लिए जीवति है -- परमेश्वर के लोगों के बल के कुचल दिए जाने के साढ़े तीन साल बाद तक ये दहशत खत्म नहीं होंगे।
दानय्यिेल, अब चला जा, मैंने जो कहा है उसे अंत के समय तक समझा नहीं जा सकता है।
“बहुत सारे अत्याधिक परीक्षाओं और सतावों के कारण शुद्ध हो जाएँगे।”

“लेकनि दुष्ट अपनी दुष्टता में बना रहेगा, और उनमें से कोई भी समझ नहीं पाएगा।”
Casino
Live girls
PEEP
GIRLS
GIRLS
“सरि्फ वही समझेंगे जो सीखने के लिए तैयार हैं।”
“जसि प्रतदिनि के बलदािन को उठा लयिा जाएगा और घृणति वस्तु जो उजाड़ का कारण है, उस स्थान पर स्थापति की जाएगी, तब 1,290 दनि होंगे। [1]
[1] यहूदी मंदरि में मसीह-वरिोधी की मूर्ति।
और धन्य हैं वे जो 1,335 वें दनि तक प्रतीक्षा करते हैं और ददृढ़ बने रहते हैं! [2]
[2] 45-दनिों का अंतर संभवतः इन संकटों में से एक परवरि्तन काल है जो कि मसीह के सहस्राब्दी साम्राज्य की स्थापना के लिए है।
“लेकनि अब अपने जीवन के अंत और अपने आराम पर जाएं। ”
क्योंकि तू अपने नरि्धारति स्थान को प्राप्त करने के लिए उठ खड़ा होगा।

"THE BIBLE EXPLAINED IN EVERY LANGUAGE."

SUPERBIBLE.TV